गुरू गोबिन्द सिंह भारत की अस्मिता के रक्षक हैं- राज्यपाल 24-5-2017

चण्डीगढ, 24 मई। गुरू गोबिन्द सिंह भारत की अस्मिता के रक्षक हैं। अस्मिता खत्म होने पर यूनान, मिश्र, रोमां की तरह राष्ट्र भी खत्म हो जाते हैं। लेकिन भारत-भूमि में कुछ बात है कि इसकी अस्मिता दुश्मनों द्वारा सदियों तक मिटाने पर भी नहीं मिटी। वह बात गुरू गोबिन्द सिंह जैसे मानव व धर्मरक्षकों का प्रकट होना है। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने आज हरियाणा राजभवन में दशम पातशाह गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कीर्तन दरबार में बोलते हुए व्यक्त किए। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल विदेश में होने के कारण कीर्तन दरबार में उपस्थित नहीं हो सके लेकिन उन्होंने गुरू जी महाराज के प्रकाश पर्व पर अपना बधाई संदेश लिखित में भेजा।

प्रो0 सोलंकी ने आगे कहा कि गुरू गोबिन्द सिंह महाराज सदैव सर्वदानी के रूप में याद किए जाते रहेंगे। ऐसा सर्वदानी जिसने धर्म व राष्ट्र की रक्षा के लिए मात्र नौ साल की आयु में अपने पिता को बलिदान देने को कहा और बड़ा होने पर अपने पुत्रों को भी कुर्बान कर दिया। यही नहीं उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना के समय विभिन्न वर्गों व क्षेत्रों के पांच व्यक्तियों को पंचप्यारों के रूप में स्थापित कर भारतभूमि को एकता व अखंडता का महान संदेश दिया। इसलिए जब गुरू गोबिन्द सिंह जी का स्मरण होता है तो पूरे भारत की अस्मिता, भारत का पुरूषार्थ याद आता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लोग उनकी तरह देश के लिए उठ खड़े हों तो भारत 21वीं सदी की वह शक्ति बन जाएगा जिसके लिए सदियों से इस देश को जाना जाता है। दशम पातशाह गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व पर बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने उनके प्रकाश पर्व को देशभर में मनाने का निर्णय किया है ताकि पूरा देश उनके त्याग, शौर्य और एकता के भाव से प्रेरणा ले।

राज्यपाल ने कहा कि गुरू गोबिन्द सिंह पूरी मानवता के लिए जिए और हमें बताया कि जीवन कैसे जीया जाए। जन्म लेकर संसार में आना और अंत में जाना ये दोनों बातें सब जानते हैं लेकिन यदि यह पता नहीं हो कि हम यहां आए किसलिए हैं तो आने का कोई मतलब नहीं रह जाता। हमने जन्म किसलिए लिया है, यह जानना है तो गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के जीवन से सीखें। इस अवसर पर राज्यपाल ने गुरू गोबिन्द सिंह महाराज के 350वें प्रकाश पर्व को समर्पित त्रैमासिक पत्रिका 'संगत उद्घोष' का विमोचन भी किया। सिख संगत की ओर से उन्हें सिरोपा भेंटकर सम्मानित किया गया।

कीर्तन दरबार में संत बाबा मानसिंह जी महाराज ने गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के जीवन पर प्रवचन द्वारा संगत को भावविभोर कर दिया। हरियाणा के मुख्य संसदीय सचिव सरदार बख्शीश सिंह विर्क ने राज्यपाल व साध संगत का कीर्तन दरबार में पधारने पर धन्यवाद किया। राष्ट्रीय सिख संगत के अध्यक्ष सरदार गुरचरन सिंह गिल ने भी अपने विचार रखे।

कीर्तन दरबार में हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति राज्यमंत्री कर्णदेव कम्बोज, थानेसर के विधायक सुभाष सुधा, चण्डीगढ भाजपा अध्यक्ष संजय टंडन आदि उपस्थित थे।

श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व

श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व

श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के 350वें
कीर्तन दरबार

श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व
कीर्तन दरबार